साहित्य, सिनेमा और फिल्मांकन

सरस्वती भुवन कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, औरंगाबाद
हिंदी विभाग

राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी
३०.६.२०२१, सुबह १०:०० बजे

श्री सरस्वती भुवन शिक्षण संस्था, औरंगाबाद

सन् १९१५ में श्री सरस्वती भुवन शिक्षण संस्था की स्थापना हुई। संस्था ने शिक्षा क्षेत्र के साथ-साथ सार्वजनिक जीवन में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। इस संस्था का देशभक्ति से ओत-प्रोत गौरवशाली इतिहास रहा है। हैदराबाद मुक्ति संग्राम में इस संस्था के संस्थापकों ने बहुमूल्य योगदान दिया है, जिसका मराठवाड़ा का गौरवशाली इतिहास गवाह है।

स्वतंत्रता के बाद सामाजिक, राजनीतिक विकास आंदोलनों की बुनियाद श्री स.भु. शिक्षण संस्था, औरंगाबाद रहीं है। आज भी हमारी संस्था उदात्त मूल्यों - समता, बंधुता एवं स्वतंत्रता की रक्षा के लिए कटिबद्ध है । आज यह संस्था प्राथमिक से लेकर स्नातकोत्तर शिक्षा देने का कार्य महानगर एवं देहातों में कर रही है । इस शताब्दी शिक्षा संस्था से जुड़े सभी सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। शिक्षा और सामाजिक प्रतिबद्धताओं को महत्व दिया है। हम बदलते समय के साथ-साथ नई प्रवृत्तियों, तकनीकी को अपनाते हुए शताब्दी की गौरवशाली परंपराओं और सर्वोत्तम प्रथाओं का निर्वाह करते आ रहे हैं। जिसके कारण शिक्षा का आदान-प्रदान प्रासंगिक हो गया है।

सरस्वती भुवन कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, औरंगाबाद

सन् १९६३ में श्री सरस्वती भुवन शिक्षण संस्था, औरंगाबाद के अंतर्गत हमारे सरस्वती भुवन कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, औरंगाबाद की स्थापना हुई। आज हम वैश्वीकरण के दौर में नई अर्थव्यवस्था, सूचना और प्रौद्योगिकी से गुजर रहे हैं। विभिन्न परिवर्तनों ने दुनिया की ओर देखने का नज़रिया ही बदल दिया है। हमारा महाविद्यालय वर्तमान और भविष्य में आनेवाले परिवर्तनों, चुनौतियों के अनुसार छात्रों में कौशलों का समयोचित निरंतर विकास करते आ रहा है। शिक्षा के क्षेत्रों की नई चुनौतियों और आवश्यकताओं के पूर्ति के लिए हमारे महाविद्यालय में स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। हमें भारतीय शास्त्रीय संगीत, नाट्यशास्त्र , भाषा और साहित्य, सामाजिक विज्ञानों एवं वाणिज्य और व्यवस्थापन जैसे विभागों की गौरवशाली परंपरा और इतिहास प्राप्त है। हमारे अध्यापक और छात्र आज देश - विदेशों में साहित्य, भाषा, संगीत, नाटक, सिनेमा, पत्रकारिता, शिक्षा, वाणिज्य - व्यवसाय, कॉरपोरेट जगत आदि आदि क्षेत्रों में अपना परचम लहरा रहे हैं।

राष्ट्रीय संगोष्ठी : साहित्य, सिनेमा और फिल्माकंन

हम अत्यंत प्रसन्नता से आपको हमारे महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "साहित्य, सिनेमा और फिल्मांकन" के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप आपके प्रपत्र भेजकर इस अकादमिक अनुष्ठान के लिए सहयोग देंगे और अपने विचारों से हमें लाभान्वित करेंगे।

साहित्य हमेशा समाज को दिशा निर्देश करने में सफल रहा है। वह आज भी अनेक समस्याओं को, समय को अपने में समेटा हुआ अपनी संबद्धता, समसामायिकता सिद्ध कर रहा है। ऐसे समय में इससे सिनेमा कैसे दूर रह सकता है। साहित्य और सिनेमा आज एक दूसरे के अभिन्न बनने की दिशा में मार्गक्रमण कर रहे हैं। आज बड़े पैमाने पर साहित्य पर आधारित सिनेमाओं का फिल्मांकन हो रहा है। सिनेमा केवल एक मनोरंजन का साधन ही नहीं रहा है बल्कि वह रोजगार का भी एक महत्त्वपूर्ण साधन बन गया है। साहित्य और सिनेमा दोनों ही हमेशा समाज उपयोगी रहे हैं। वह राष्ट्रप्रेम, स्वाधीनता, स्वतंत्रता, समानता जैसे अनेक मूल्यों को समाज में पिरोते रहे हैं। राजनीति की दिशा तय करते रहे हैं। अनेक समसामयिक साहित्यिक विषयों का फिल्मों में प्रयोग होता रहा है। फिल्मों में साहित्य का असर हमेशा प्रभावी रहेगा। चर्चित उपन्यासों और कालजयी रचनाओं पर आधारित फिल्में हर दौर में पसंद की जाती रही हैं। यही वजह है कि निर्देशक, निर्माता साहित्य को टटोलना और उन पर फिल्म बनाना पसंद करते हैं। आर के नारायण के उपन्यास पर गाइड, बंगाली साहित्यकार बिमल मित्रा के उपन्यास पर साहिब, बीवी और गुलाम, गोवर्धन त्रिपाठी के उपन्यास पर सरस्वती चंद्र, शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास पर देवदास, जायसी के प्रबंध काव्य पर पद्मावत , प्रेमचंद के उपन्यास सेवासदन, गबन पर फिल्में बनी हैं। निर्देशक विशाल भारद्वाज की ज्यादा फिल्में उपन्यास आधारित रहीं हैं। इसमें खासकर शेक्सपीयर और रस्किन बॉन्ड के उपन्यासों का इस्तेमाल हुआ। विशाल भारद्वाज की फिल्म मकबूल शेक्सपीयर के नाटक मैकबेथ पर आधारित थी। वहीं ओंकारा, ऑथेलो पर आधारित थी और हैदर, हेमलेट पर आधारित थी। इसी तरह फिल्म सात खून माफ रस्किन बॉन्ड की कहानी सुजैनास सेवेन हस्बैंड पर आधारित थी। युवाओं के पसंदीदा लेखक चेतन भगत के उपन्यासों को आज के निर्माता- निर्देशकों ने फिल्मों के जरिए खूब भुनाने की कोशिश की। फाइव पॉइंट समवन पर आधारित थ्री इडियट्स, थ्री मिस्टेक्स ऑफ माय लाइफ पर आधारित काय पो छे, वन नाइट ऐट कॉलसेंटर पर आधारित फिल्म हैलो और टू स्टेट्स पर आधारित फिल्म बन चुकी है। इन दिनों उनकी लेटेस्ट नॉवेल हाफ गर्लफ्रेंड पर भी फिल्म बनी है। ऐसे अनगिनत उदाहरणों का हम उल्लेख कर सकते हैं।

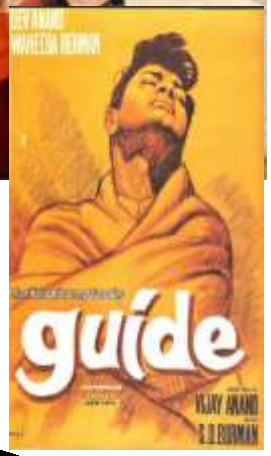

उप-विषय

साहित्य और सिनेमा : सह-संबंध

- साहित्य और सिनेमा : सह - संबंध की पूर्वपीठिका
- साहित्य और सिनेमा : सह - संबंध की परंपरा
- हिंदी साहित्य पर आधारित सिनेमा
- मराठी/ अंग्रेजी/ अन्य भारतीय भाषा साहित्य पर आधारित सिनेमा
- अन्य विदेशी भाषा साहित्य पर आधारित सिनेमा

साहित्य पर आधारित सिनेमा : समीक्षा

- सिनेमा का बदलता स्वरूप
- सिनेमा की सामाजिक उपादेयता
- साहित्य सिनेमा और राजनीति
- सिनेमा : अर्थतंत्र बनाम नैतिकता
- सिनेमा : निर्देशन की तकनीकी

साहित्य का फिल्मांकन

- साहित्य फिल्मांकन के सिद्धांत
- साहित्य से परदा पटकथा लेखन
- संवाद लेखन, चरित्र – चित्रण, गीत - संगीत योजना
- अभिनय : अभिनेता/अभिनेत्री
- दृश्य योजना, वेशभूषा, भाषा, डबिंग, उद्देश्य

उपरोक्त बिंदुओं के अलावा साहित्य, सिनेमा और फिल्मांकन से संबंधित अन्य बिंदुओं पर भी आप प्रपत्र भेज सकते हैं।

शोध-आलेख संबंधी सूचनाएं

कृपया शोध- आलेख यूनिकोड मंगल फॉन्ट साईज १२ में एम एस वर्ड और पीडीएफ फाईल में भेजें।

शोध-आलेख की शब्द सीमा लगभग १५०० से २००० तक हो।

चुनिंदा प्रपत्रों के सारांश पढ़ने का अवसर प्रदान किया जायेगा।

आलेख ISSN सरस्वती पत्रिका में डिजिटल स्वरूप में प्रकाशित किए जाएंगे, प्रकाशन शुल्क मात्र २५० रूपये होगा।

आपके आलेख २५ जून, २०२१ तक sbesachindi2021@gmail.com इस ईमेल पर भेजे।

पंजीकरण संबंधी सूचनाएं

पंजीकरण नि:शुल्क होगा।

निम्न लिंक द्वारा पंजीकरण करना आवश्यक होगा।
https://forms.gle/DeFWSYmcEUxYsMiK8

भुगतान का प्रकार (शोध आलेख प्रकाशन हेतु)

बैंक

Account Name: Principal, SBES College of Arts & Commerce, Aurangabad
Account no: 20133415256
IFSC: MAHB0001259
Bank Name and branch: Bank of Maharashtra, S B Colony Branch
Account Type: Saving

PhonePe Number

7058550643

UPI ID

7058550643@ybl

व्हाट्सएप नंबर 7058550643 पर किए गए ऑनलाइन भुगतान की कॉपी साझा करें।

संगोष्ठी की सूचनाओं के लिए ग्रुप से जुड़िए

Telegram group joining link
https://t.me/joinchat/F0fd2tYVgAQ3YTVl
WhatsApp group joining link
https://chat.whatsapp.com/I7LiuomzaZuI71UibG33Bl

Webinar Platform

वेबिनार के लिए सिस्को वेबेक्स का उपयोग किया जाएगा।
वेबिनार में शामिल होने के लिए कृपया अपने मोबाइल/लैपटॉप/पीसी पर सिस्को वेबएक्स मीटिंग ऐप डाउनलोड करें।
कृपया ध्यान दें कि ऐप डाउनलोड किए बिना वेबिनार में शामिल होना संभव नहीं होगा।

Link to download app

Link to download the app for Mobile
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.cisco.webex.meetings
Link to download the app for laptop/PC
https://www.webex.com/downloads.html

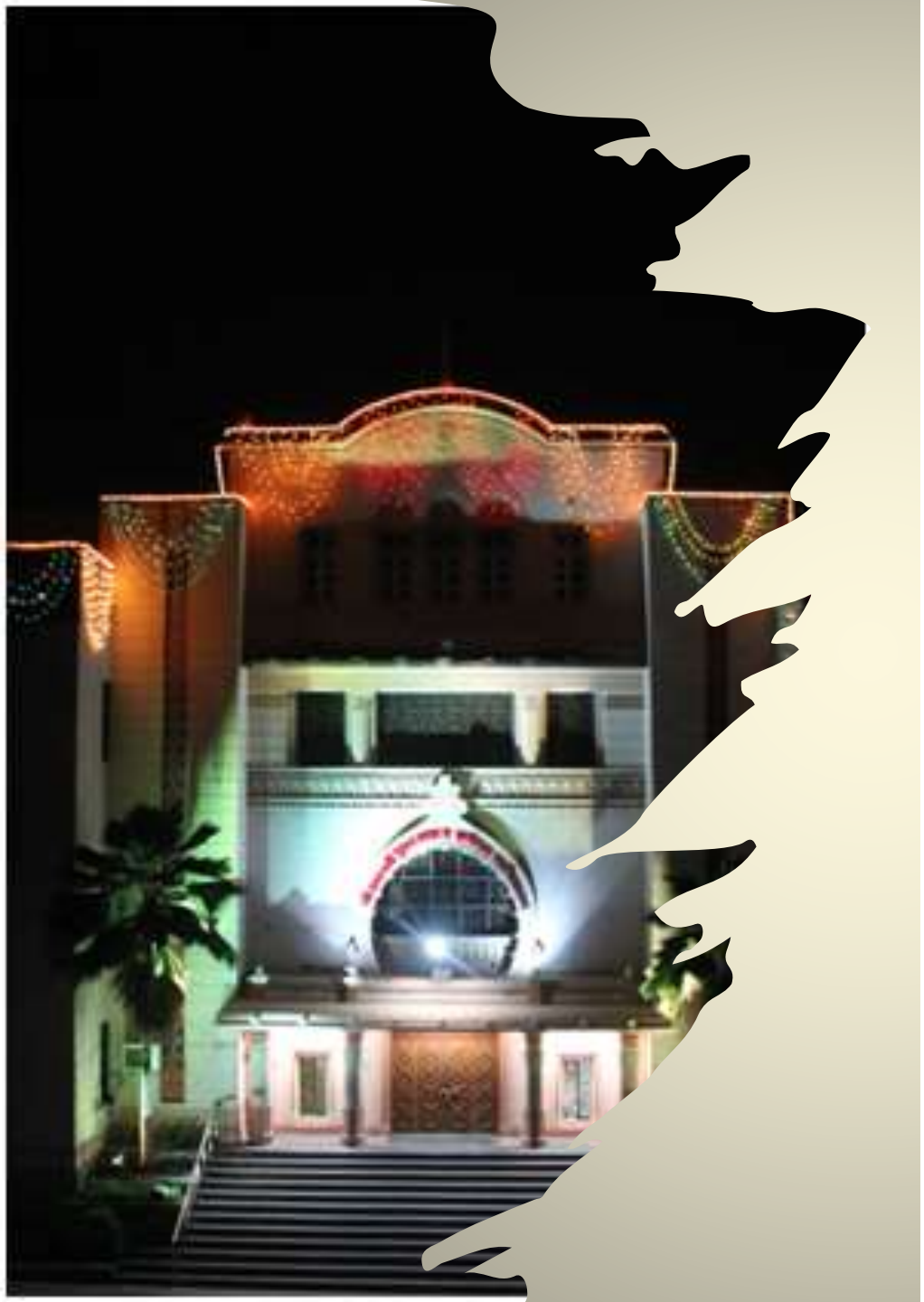

मार्गदर्शन एवं आशीष

श्री राम भोगले
अध्यक्ष, श्री स. भु. शिक्षण संस्था एवं उद्योगपति

श्री दिनेश वकील
उपाध्यक्ष, श्री स. भु. शिक्षण संस्था एवं वरिष्ठ अधिवक्ता

श्री रमेश गुमास्ते
उपाध्यक्ष, श्री स. भु. शिक्षण संस्था एवं पूर्व प्राध्यापक

डॉ. नंदकुमार उकडगांवकर
सचिव, श्री स. भु. शिक्षण संस्था एवं न्यूरोलॉजिस्ट

श्री अरुण मेढेकर
कोषाध्यक्ष, श्री स. भु. शिक्षण संस्था एवं पूर्व बैंककर्मी

श्री ओमप्रकाश राठी
सभापति, महाविद्यालय विकास समिति एवं उद्योगपति

आयोजक

प्रो. मकरंद पैठणकर
प्रभारी प्राचार्य

प्रो. माधव गायकवाड
उपप्राचार्य

प्रो. गुरुदत्त राजपूत
संगोष्ठी संयोजक

डॉ. गोरख काकडे
संगोष्ठी सचिव

संपर्क

संगोष्ठी संयोजक 9175718791, संगोष्ठी सचिव 9011436144